चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21.3.23	5	7-8

मोटे अनाज अधिक पौष्टिक आहार व स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद : वीसी

एचएयू के वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने वर्चुअल माध्यम से ग्लोबल मिलेट कॉन्फ्रेंस में भाग लिया

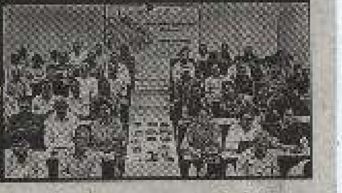

भास्कर न्यूज | हिसार

नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित मोटे अनाज पर दो दिवसीय ग्लोबल मिलेट कॉन्फ्रेंस का समापन हुआ, जिसमें एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने प्रत्यक्ष रूप से हिस्सा लिया। इसके अलावा विवि के शोध निदेशालय, विस्तार शिक्षा निदेशालय, कृषि कॉलेज व गृह विज्ञान महाविद्यालय के मिलेट पर शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों व शोधार्थियों, किसानों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों व एग्री-बिजनेस स्टार्टअप युवा वर्चुअल माध्यम से इस कॉन्फ्रेंस से जुड़े व वर्तमान समय में मोटे अनाज वाली फसलों की खेती, मोटे अनाज के महत्व, उपयोगिता, पोषण गुणों सहित स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर देश के प्रमुख वक्ताओं के विचार जाने। कुलपति बीआर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोटे अनाजों को श्रीअन्न की पहचान दी गई व वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में यादगार बनाने के लिए डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किया। भारत मोटे अनाज का प्रमुख केंद्र है, साथ ही वैश्विक जरूरतों को पूरा करने में भी सक्षम हो सकता है। इस वैश्विक सम्मेलन में उत्पादकों, उपभोक्ताओं व अन्य हितधारकों के बीच पोषक अनाज के प्रचार और जागरूकता, पोषक अनाज की वैल्यू चेन डिवेलपमेंट, पोषक अनाज के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी पहलू, बाजार संपर्क, अनुसंधान और विकास आदि जैसे श्रीअन्न से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर सत्र आयोजित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	21.3.23	4	1-2

मोटा अनाज अधिक पौष्टिक, सेहत के लिए लाभप्रद : प्रो काम्बोज

हिसार, 20 मार्च (निस)

नयी दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित मोटे अनाज पर दो दिवसीय ग्लोबल मिलेट कान्फ्रेंस का समापन हुआ, जिसमें चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय, विस्तार शिक्षा निदेशालय, कृषि महाविद्यालय व गृह विज्ञान महाविद्यालय के मिलेट पर शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों व शोधार्थियों, किसानों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों व एग्री-बिजनेस स्टार्टअप युवा वर्चुअल माध्यम से इस कान्फ्रेंस से जुड़े व वर्तमान समय में मोटे अनाज वाली फसलों की खेती, मोटे अनाज के महत्व, उपयोगिता, पोषण गुणों सहित स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर देश के प्रमुख वक्ताओं के विचार जाने।

प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोटे अनाजों को श्री अन्न की पहचान दी गई व वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में यादगार बनाने के लिए डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किया।

सम्मेलन में विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर कुमार व अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	21.3.23	2	6.7

हरियाणा में प्रति हेक्टेयर 2017 किलोग्राम बाजरे का उत्पादन

जागरण संवाददाता, हिसार : नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित मोटे अनाज पर दो दिवसीय ग्लोबल मिलेट कान्फ्रेंस का समापन हुआ, जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। इसके अलावा विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय, विस्तार शिक्षा निदेशालय, कृषि महाविद्यालय व गृह विज्ञान महाविद्यालय के मिलेट पर शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों व शोधार्थियों, किसानों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों व एग्री-बिजनेस स्टार्टअप युवा वर्चुअल माध्यम से इस कान्फ्रेंस से जुड़े।

अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा ने बताया कि भारत में मिलेट फसलें मुख्य रूप से 13 राज्यों में उगाई जाती है। देश में मोटे अनाज की खपत प्रति व्यक्ति 2-3 किलोग्राम प्रति माह से अधिक नहीं थी, जोकि जागरूकता के कारण अब बढ़ रही है। वीसी बीआर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा राज्य में लगभग 4.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर बाजरा व 0.70 लाख हेक्टेयर भूमि पर ज्वार की खेती की जाती है। हरियाणा में बाजरा व ज्वार उत्पादकता क्रमशः 2017 व 528 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज अधिक पौष्टिकता है, जिसमें प्रोटीन, फैटी एसिड, फाइबर, विटामिन-बी, कैल्शियम, लोहा, जस्ता पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज होते हैं।

सम्मेलन में बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल यादव व बाजरा प्रजनक डा. देवव्रत, ज्वार फसल के वैज्ञानिक पम्मी कुमारी, डा. सतपाल, डा. बजरंग लाल शर्मा, फूड एंड न्यूट्रिशियन विभाग की अध्यक्ष डा. संगीता सिंधू आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	21.3.23	11	1-2

मोटे अनाज अधिक पौष्टिक आहार व स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद : प्रो. काम्बोज

सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल बैठक के दौरान वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को संबोधित करते हुए।

हिसार, 20 मार्च (विरेन्द्र वर्मा) : नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित मोटे अनाज पर दो दिवसीय ग्लोबल मिलेट कान्फ्रेंस का समापन हुआ, जिसमें चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। इसके अलावा विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय, विस्तार शिक्षा निदेशालय, कृषि महाविद्यालय व गृह विज्ञान महाविद्यालय के मिलेट पर शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों व शोधार्थियों, किसानों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों व एग्री-बिजनेस स्टार्टअप युवा वर्चुअल माध्यम से इस कान्फ्रेंस से जुड़ें व वर्तमान समय में मोटे अनाज वाली फसलों की खेती, मोटे अनाज के महत्व, उपयोगिता, पोषण गुणों सहित स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर देश के प्रमुख वक्ताओं के विचार जाने। कुलपति बी.आर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोटे अनाजों को श्री अन्न की पहचान दी गई व वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में यादगार बनाने के लिए डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किया। उन्होंने बताया कि भारत मोटे अनाज का प्रमुख केंद्र है, साथ ही वैश्विक जरूरतों को पूरा करने में भी सक्षम हो सकता है। इस वैश्विक सम्मेलन में उत्पादकों, उपभोक्ताओं व अन्य हितधारकों के बीच पोषक अनाज के प्रचार और जागरूकता, पोषक अनाज की वैल्यू चेन डिवेलपमेंट, पोषक अनाज के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी पहलू, बाजार संपर्क, अनुसंधान और विकास आदि जैसे श्री अन्न से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दो पर सत्र आयोजित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	21.3.23	3	7-8

भारत मोटे अनाज की वैश्विक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम : प्रो. कांबोज

एचएयू के वैज्ञानिकों ने ग्लोबल मिलेट्स कॉन्फ्रेंस में भाग लिया

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित मोटे अनाज पर दो दिवसीय ग्लोबल मिलेट्स कॉन्फ्रेंस का समापन हुआ।

चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। उन्होंने कहा कि भारत मोटे अनाज का प्रमुख केंद्र है। साथ ही वैश्विक जरूरतों को पूरा करने में भी सक्षम हो सकता है। विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय, विस्तार शिक्षा निदेशालय, कृषि महाविद्यालय व गृह विज्ञान महाविद्यालय के मोटे अनाज पर शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों व शोधार्थियों, किसानों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों व एग्री-बिजनेस स्टार्टअप युवा वर्चुअल माध्यम से इस कॉन्फ्रेंस से जुड़े व वर्तमान समय में मोटे अनाज वाली फसलों की खेती, मोटे अनाज के महत्व, उपयोगिता, पोषण गुणों सहित स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर देश के प्रमुख वक्ताओं के विचार जाने।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि भारत में मिलेट्स फसलें मुख्य रूप से 13 राज्यों में उगाई जाती हैं। देश में मोटे अनाज की खपत प्रति व्यक्ति 2-3 किलोग्राम प्रति माह थी। हरियाणा में 4.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर बाजरा , 0.70 लाख हेक्टेयर भूमि पर ज्वार की खेती की जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	21.03.2023	--------	--------

मोटे अनाज अधिक पौष्टिक आहार व स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद : प्रो. बी.आर काम्बोज

एचएयू के वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने वर्चुअल माध्यम से ग्लोबल मिलेट कान्फ्रेंस में भाग लिया

हिसार। नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित मोटे अनाज पर दो दिवसीय ग्लोबल मिलेट कान्फ्रेंस का समापन हुआ, जिसमें चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। इसके अलावा विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय, विस्तार शिक्षा निदेशालय, कृषि महाविद्यालय व गृह विज्ञान महाविद्यालय के मिलेट पर शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों व शोधार्थियों, किसानों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों व एग्री-बिजनेस स्टार्टअप युवा वर्चुअल माध्यम से इस कान्फ्रेंस से जुड़ें व वर्तमान समय में मोटे अनाज वाली फसलों की खेती, मोटे अनाज के महत्व, उपयोगिता, पोषण गुणों सहित स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर देश के प्रमुख वक्ताओं के विचार जाने।

कुलपति बी.आर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोटे अनाजों को श्री अन्न की पहचान दी गई व वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में यादगार बनाने के लिए डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किया। उन्होंने बताया कि भारत मोटे अनाज का प्रमुख केंद्र है, साथ ही वैश्विक जरूरतों को पूरा करने में भी सक्षम हो सकता है। इस वैश्विक सम्मेलन में उत्पादकों, उपभोक्ताओं व अन्य हितधारकों के बीच पोषक अनाज के प्रचार और जागरूकता, पोषक अनाज की वैल्यू चेन डिवेलपमें पोषक अनाज के स्वास्थ्य औ पोषण संबंधी पहलू, बाजा संपर्क, अनुसंधान और विका आदि जैसे श्री अन्न से जुड़े सभ महत्वपूर्ण मुद्दों पर स आयोजित किए गए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतरा शर्मा ने बताया कि भारत में मिले फसलें मुख्य रूप से 13 राज्यों उगाई जाती है। देश में मोटे अना की खपत प्रति व्यक्ति 2- किलोग्राम प्रति माह से अधि नहीं थी, जोकि जागरूकता कारण अब बढ़ रही है।